

Living the Lotus



Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

डायरी आपका व्यक्तिगत इतिहास है

रेवरेन्ट निक्क्यो निवानो

मुझे दिन के सभी घटनाओं को डायरी में लिख लेने की आदत है - मैं किस समय उठता हूँ, मैं किससे मिला हूँ, क्या हुआ, इत्यादि।

यदि आप कम उम्र से लगातार एक डायरी लिख रखे हैं, तो आप देखेंगे कि समय के साथ आप धीरे-धीरे इस संसार को और अपने आप को और अधिक निष्पक्ष रूप से देखने लगेंगे।

अपनी डायरी को पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो कई बार की चुनौतियों के लिए इतना कठिन संघर्ष करना पड़ा था। मुझे अब संदेह होता है कि कैसे मैं उन पर काबू पा सका हूँ। लेकिन, मैंने अनुभव किया है कि विशेष रूप से वह समय था जिसने मुझे बढ़ने के सबसे बड़ा अवसर प्रदान किया। भले ही आपकी डायरी में केवल संक्षिप्त प्रविष्टियाँ हों, इसे फिर से पढ़ने से ऐसे समय की यादें ताजा हो जाती हैं, जिससे यह एक अपूरणीय व्यक्तिगत इतिहास बन जाता है।

क्या सबसे महत्वपूर्ण है, मुझे लगता है कि आप डायरी के माध्यम से आप पूरी तरह से समझ जाएँगे कि आपके पूरे जीवन में एक भी चीज व्यर्थ नहीं गई है। इसलिए जिस दिन आप इसे पहचानेंगे, उस दिन आप अपनी डायरी की प्रविष्टि के अंत में "मैं हर चीज के लिए वास्तव में आभारी हूँ" शब्दों को जोड़ने से अपने को रोक नहीं पाएँगे।

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 282-283

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus Vol. 202 (July 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Jigjickhorloo Gereltuya
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rishsho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



उम्मीद के मुताबिक अपना दैनिक जीवन जीना - परिश्रम, भाग 1

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेइ काइ

परिश्रम क्या है?

मैं अक्सर कहता हूँ, “परिश्रमी, परिश्रमी, जब तक मेरी मृत्यु नहीं हो जाती, मुझे परिश्रमी, रहना चाहिए। और यदि मुझे एक और जीवन मिलता है, तो मुझे पुनः परिश्रमी होना चाहिए।” एक व्यक्ति के लिए परिपूर्ण होने जैसी कोई चीज नहीं होती, इसलिए मैं स्वयं को इन शब्दों से सचेत रखता हूँ, जो मुझे प्रगति करने और स्वयं को बेहतर बनाने की मेरी आकांक्षा की याद दिलाते हैं।

हालाँकि, यदि आप परिश्रम के अर्थ को समझे बिना इसे केवल सुनते हैं, तो आप अनुभव कर सकते हैं कि परिश्रम का अभ्यास करने के लिए असाधारण संकल्प की आवश्यकता है। कुछ लोग यह मान सकते हैं कि वे परिश्रम का अभ्यास करने में असमर्थ हैं और इससे पीछे हट जाते हैं।

खैर, फिर, परिश्रम वास्तव में क्या संदर्भित करता है?

बौद्ध धर्म में, परिश्रम को “बुद्ध मार्ग का अभ्यास करने और पूर्ण करने के लिए अपने आप को एक मन से अभ्यास करने” के रूप में परिभाषित किया गया है। जेन मास्टर डोगेन (1200-1253) ने कहा कि परिश्रम “दूसरे लोगों के प्रति विभिन्न अच्छे कार्यों को पूरे मन से करने के प्रयास कभी भी समाप्त नहीं होता है” साथ ही, “कभी भी समाप्त नहीं होता ” भी लगभग असंभव लगता है।

यह मुझे संस्थापक निवानो के शब्दों की याद दिलाता है: “मुझे आशा है कि हम सभी लोग हैं जो स्वाभाविक रूप से वह कर सकते हैं जो हमसे अपेक्षित है।” क्योंकि हम गृहस्थ बौद्ध हैं, इसका अर्थ है कि हम अपने दैनिक जीवन को इस दृष्टिकोण के साथ जीना कभी बंद नहीं करते हैं कि किसी भी समय और किसी भी स्थान पर, “वह मार्ग का स्थान है।” और उस अर्थ में, परिश्रम अपने आप को लगातार आगे बढ़ाने का अभ्यास नहीं है, बल्कि अपने दैनिक जीवन के दौरान दूसरों के प्रति विचारशील होने और बोलने और अभिनय करने के प्रति सचेत रहने का अभ्यास है, जो आपके आस-पास के लोगों को मन की शांति गृहस्थ देगा। दूसरे शब्दों में, यह एक सामान्य जीवन जीने और विश्वासी व्यक्ति के रूप में आपसे जो अपेक्षित है उसे करने के अलावा और आप कुछ नहीं है।

बौद्ध विद्वान शोबुन कुबोटा (1896-1986) ने कहा है कि “पुण्डरीकसूत्र को दिन में चौबीस घंटे पढ़ते हैं” जैसी

उक्ति का महत्व बुद्ध की देशनाओं को पूरे मन से पढ़ने” को व्यक्त करने के लिए उपयोग किया गया, जबकि हमें यह भी दिखाया गया है। क्या आशीर्वाद है यह अपने दैनिक जीवन में धर्म को जीने के द्वारा उन्हें अभ्यास में लाने में सक्षम होना है। इसलिए, परिश्रम ठीक वही है जो हमसे करने की अपेक्षा की जाती है, स्वाभाविक रूप से, क्योंकि हम एक के बाद एक दिन जीते हैं।

जागृति और परिश्रम एक ही है

इस प्रसिद्ध घटना का उद्धरण, जब दृष्टिबाधित अनिरुद्ध अपने वस्त्र का मरम्मत करने वाले थे, तो वे बुदबुदाये, “क्या कोई मेरे लिए सुई में धागा पिरो सकता है?” और शाक्यमुनि ने उत्तर दिया, “हाँ, मैं करूँगा, जैसा कि आप मुझे पुण्य जमा करने में मदद करेंगे,” और उनके लिए सुई में धागा पिरो दिया।

यह देखकर कि उनका शिष्य आश्चर्य चकित और आनन्द से भर गया था। जो पहले से ही उच्चतम स्तर की जागृति प्राप्त कर चुके थे, शाक्यमुनि ने कहा, “अनिरुद्ध, हम अन्य लोगों को कितना कर सकते हैं इसकी कोई सीमा नहीं है और मैं, किसी से भी ज्यादा, खुशी की तलाश करता हूँ।” उन्होंने अनिरुद्ध को धीरे से समझाया कि, किसी की स्थिति या सीखने की उँचाई का ध्यान किए बिना, दूसरों को लाभ पहुँचाने के अभ्यास के माध्यम से अपने मन को पूर्ण करने में खुशी होती है, और ऐसा करना जारी रखना परिश्रम है।

यह उपाख्यान एक सूक्त है कि “अभ्यास और जाग्रत होना एक हैं।” यह हमें दिखाता है कि विश्वास-आधारित अभ्यास करने में सक्षम होना जागृति का प्रमाण है, और जागरण में परिश्रम का आनंद है। परिश्रम को जागृति के साधन के रूप में देखने के बजाय, मैं परिश्रम की व्याख्या करने में विश्वास की खुशी का अनुभव करता हूँ, इसका अर्थ यह है कि हर बार जब हम दूसरों को लाभ पहुँचाने का अभ्यास करते हैं, तो हम अपने बुद्ध स्वभाव को चमका रहे हैं और साथ ही, अपने स्वयं के बारे में अपनी जागरूकता को गहरा कर रहे हैं। बुद्ध प्रकृति है।

हालाँकि, भले ही हम विश्वासी लोगों के रूप में हमसे जो अपेक्षा की जाती है, उसका अभ्यास करने के महत्व को जानते हैं, कई बार हम ऐसा करने में असमर्थ होते हैं, अपनी आत्म-केंद्रित इच्छाओं या आलसी दिमाग से पराजित होते हैं।

ऐसे समय में, “यह नहीं चलेगा” विचार कई लोगों के मन में आता है, है ना? यदि आपके मन में यह विचार है, एक क्षण के लिए भी, तो कोई बात नहीं। आपका मन उस चीज को रीसेट नहीं कर सकता जो उसके पास नहीं है, लेकिन जैसे ही अवसर स्वयं प्रस्तुत हो जाता है, आप उस पर वापस जा सकते हैं, जो आपके पास पहले से ही है।

आलसी मन को परिश्रमी मन में रीसेट करने वाला स्विच “यह नहीं चलेगा” कहनेवाला मन आत्म-प्रतिबिंब है और जिस क्षण आप उस विचार तक पहुँचते हैं, उसे आत्म-सुधार के सच्चे मूल मन में वापस आना चाहिए, ठीक उसी तरह जब आपने पहली बार बुद्ध की देशनाओं के अनुसार अपना जीवन जीने की इच्छा की थी।

इस अर्थ से भी ऐसा जीवन जीने की शपथ लेने की आकांक्षा महत्वपूर्ण है। हमारी दैनिक परिश्रम और दूसरों को लाभान्वित करने के अभ्यास, जो उस आकांक्षा द्वारा समर्थित हैं, अंततः विश्व शांति की ओर ले जाएँगे।

From Kosei, July 2022.

कॉमिक्स के माध्यम से रिशो कोसेइ काइ का परिचय

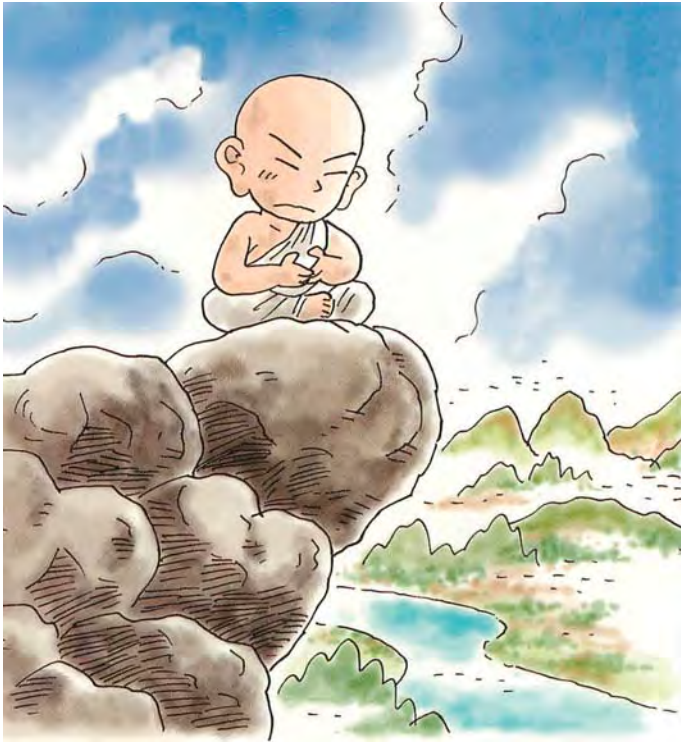
शाक्यमुनि बुद्ध का जीवनकाल और बौद्ध धर्म की देशनाएँ

तपस्यचर्या का अभ्यास

राजकुमार द्वारा सांसारिक जीवन को त्यागने के बाद, वे ऋषियों तपस्वियों और भिक्षुओं की देशनाओं को सीखने के लिए उनसे मिलने गए। उन्होंने शीघ्र ही उन्हें समझ लिया और उनके समान स्तर का ज्ञान प्राप्त कर लिया। हालाँकि, "ज्ञानोदय" तक पहुँचने से पहले एक लंबा मार्ग तय करना था, जो बुढ़ापा, बीमारी और मृत्यु के बारे में चिंता का हल दे सकता था। अंत में उन्होंने अकेला ही जंगल में प्रवेश किया और वहाँ तपस्या करने लगे।

उस समय के अधिकांश तपस्वी आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार के कठोर आत्म-अनुशासन का अभ्यास करते थे। उनके अभ्यास में एक दिन में केवल चावल का एक दाना और तिल का एक दाना खाना, और लंबे समय तक अपनी सांस रोकना शामिल था।

हालाँकि, इन प्रथाओं के अभ्यास के बावजूद, उन्हें आत्मज्ञान प्राप्त नहीं हो सका।



क्या तुम्हें पता है?

जबकि राजकुमार ने सभी के लिए मुक्ति का मार्ग तलाशने के लिए तपस्या की, उन्होंने तपस्वी-ऋषि आलारकलाम से शिक्षा ली और शीघ्र ही उसमें दक्षता हासिल कर लिया। तपस्वी-ऋषि ने अपनी समझ की गहराई को स्वीकार किया, और प्रस्ताव दिया कि राजकुमार उसका उत्तराधिकारी बने। हालाँकि, उन्होंने तपस्वी-ऋषि के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और यह पता लगाने के लिए निकल पड़े कि उम्र बढ़ने, बीमारी और मृत्यु के भय पर कैसे विजय प्राप्त की जाए।



* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।



आत्मज्ञान की प्राप्ति



छह साल की तपस्या के बाद, उन्होंने महसूस किया कि वे अत्यधिक आत्म-त्याग के माध्यम से ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते, और जंगल छोड़ दिया। वह नैरंजना नदी गए, जहाँ उन्होंने स्नान किया और अपने शरीर को परिशुद्ध किया। बाद में, उन्होंने पास के गाँव की एक युवती सुजाता नाम की कन्या से पायस ग्रहण किया। मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा होकर, उन्होंने एक बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान में प्रवेश कर गये।

मार की सेनाओं ने विभिन्न रणनीतियों के माध्यम से उनके ध्यान को भंग करने की कोशिश की, उन्हें मीठे शब्दों से लुभाया और उन्हें हिंसा की धमकी दी। उनके सभी प्रयासों के बावजूद, वे एकाग्र मनचित से ध्यान करते रहे और अंततः 8 दिसंबर के प्रातः जब वे पैंतीस वर्ष के थे, तब उन्हें बोधिज्ञान प्राप्त हुआ। जिस स्थान पर उन्हें बोधिज्ञान प्राप्त हुआ था, उसे बोधगया कहा जाता है और इसे पवित्र स्थान के रूप में जाना जाता है।

☀ क्या तुम्हें पता है?

राजकुमार के बोधिज्ञान प्राप्ति के उपरान्त, वे "बुद्ध" बन गये, जिसका अर्थ है "वे जिन्हें सत्य का साक्षात्कार हुआ है।" जिस वृक्ष के नीचे उन्होंने ध्यान किया वह एक पीपल का वृक्ष था। उसका मूल नाम अश्वत्थ था और अब इसे बोधि वृक्ष कहा जाता है।

Director's Column

मेरे शिक्षक से परिश्रम सीखना

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

इस महीने के अपने संदेश में, प्रेसिडेण्ट निचिको निवानो ने परिश्रम पर ध्यान केंद्रित किया - छह पारमिताओं में चौथा, जो प्रबुद्ध व्यवहार के मानक आदर्श हैं, जिसे बोधिसत्व प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

एक दिन, प्रेसिडेण्ट और श्रीमती निचिको निवानो ने प्रसिद्ध इसे जिंगू श्राइन का दौरा किया और मैं उनके साथ एक सहवर्ती के रूप में गया। प्रेसिडेण्ट निवानो एक छड़ी के सहारे लंबी दूरी तय करने के बारे में थोड़ा चिंतित लग रहे थे, लेकिन जब उन्होंने श्राइन परिसर में प्रवेश किया, तो उनके पैर ताकत से भरे थे और उन्होंने गेकू (टोयौके-नो-ओमिकामी को समर्पित बाहरी श्राइन) और नायकू (आमातरासु-ओमिकामी को समर्पित आंतरिक श्राइन) दोनों में औपचारिक पूजा की। उसके बाद, उन्होंने इसे जिंगू के मुख्य पुजारी पूज्य कियोहिसा कोमात्सु से बात की। उनकी बातचीत को देखकर मैं संगठन के अध्यक्ष के रूप में प्रेसिडेण्ट निवानो की गरिमा और आस्था के अभ्यासी के रूप में उनकी विनम्रता से बहुत प्रभावित हुआ।

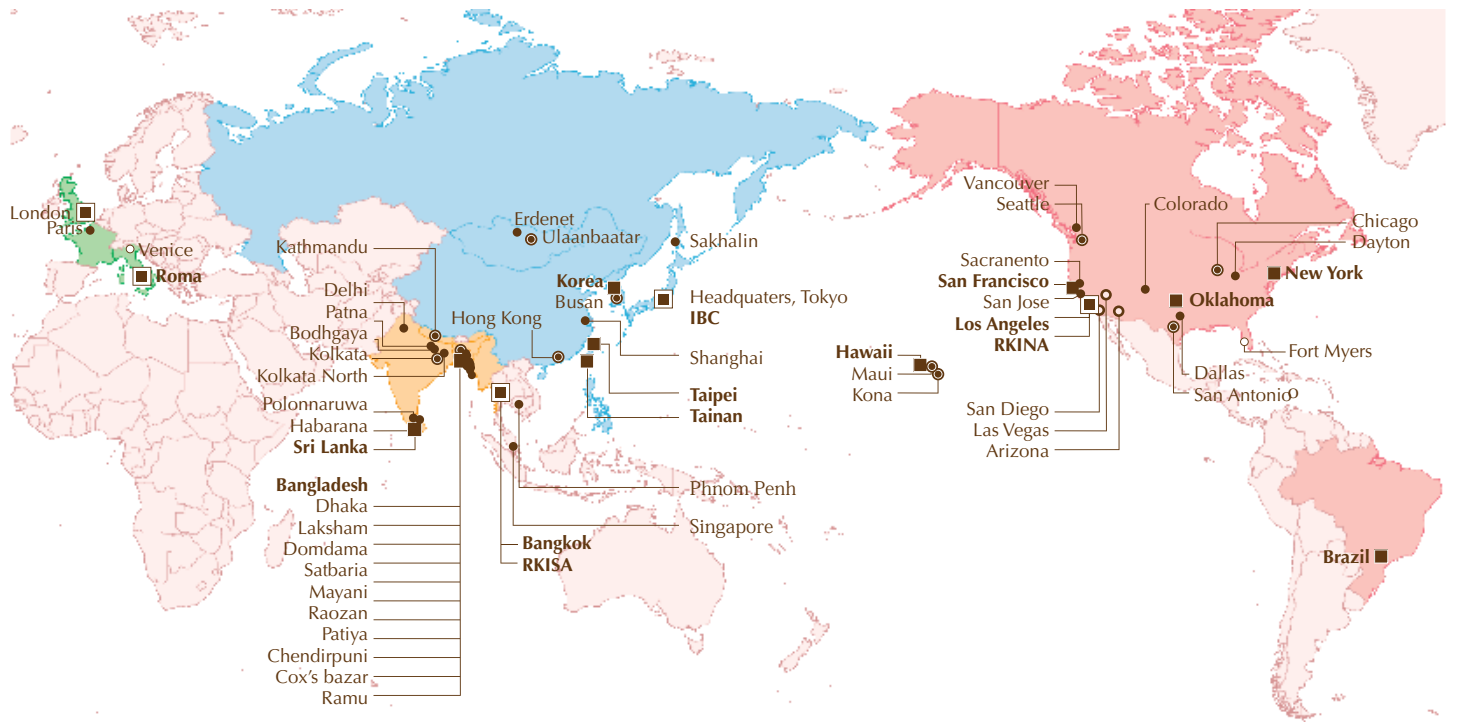
ऐसी चीजें भी थीं जिसने मुझे प्रेसिडेण्ट के परिश्रम के अभ्यास के संबंध गहराई से प्रभावित किया। कागुरादेन (औपचारिक संगीत और नृत्य के लिए एक हॉल) छोड़ने से पहले, वे टॉयलेट में गये। जब उन्होंने प्रवेश द्वार पर चप्पलें बिखरी हुई देखीं, तो वे अनायास झुक गये और उन्हें करीने से रखने लगे। हाथ धोने के बाद उन्होंने नल के आसपास की सफाई की।

प्रेसिडेण्ट निवानो अपने संदेश में परिश्रम की व्याख्या करते हैं कि "किसी की स्थिति की परवाह किए बिना . . . दूसरों को लाभ पहुँचाने के अभ्यास से मन को सिद्ध करने में ही खुशी होती है और ऐसा करते रहना ही परिश्रम है।" उनके शब्द उनके कार्यों से सहमत हैं और मैं उनके निरंतर परिश्रम के अभ्यास से सीखने के इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूँ।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 (Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
 URL: <https://sf-buddhism.org/>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 (Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rkina.org
 URL: <https://www.buddhistcenter-rkina.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

在家佛教韓國立正佼成會 Korean Rissho Kosei-kai
〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

**在家佛教韓國立正佼成會釜山支部
Korean Rissho Kosei-kai of Busan**
〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人 在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Taipei
台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Tainan
台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata
89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center
Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center
Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi
77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation
No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa
Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani
Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama
Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria
Village: Satbaria Bepari Para, Chandanail, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni
Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan
Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham
Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North
408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar
Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya
Rissho Kosei-kai Ramu
Rissho Kosei-kai Aburkhill

Buddiyskiy khram "Lotos"
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma
Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris
Rissho Kosei-kai of Venezia

Rissho Kosei-kai of the UK
29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)
166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.ibt-rk.org>